Association in Textile and Readymade Garments with USA

2409. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) the details of nature of our association with the USA in areas of textiles/readymade garments;

(b) the manner in which these will be affected because of the recent sanctions being imposed by the USA; and

(c) the steps being taken by the Government to surmount these difficulties which textile sector may face in the near future?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI KASHIRAM RANA): (a) India's exports of textile and readymade garments to the USA had been governed by Bilateral Textiles Agreement under the Multi-Fibre Arrangement till 31st December, 1994. Consequent upon the World Trade Organisation (WTO) coming into force w.e.f. 1.1.1995, the quantitative restrictions (import quotas) in the bilateral agreement under MFA are being governed by the Agreement on Textiles and Clothing contained in the Final Act of Uruguay Round Negotiations of GATT.

(b) and (c) No sanctions have been imposed by the U.S.A. on export of Indian textiles and apparels to USA.

राष्ट्रीय वस्त्र मिलों में घाटा

2410. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:**
श्रीमती शबाना आजमी:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय वस्त्र निगम द्वारा संचालित बहुत-सी मिलें घाटे में चल रही हैं और कई अन्य मिलें पिछले कई सालों से बंद पड़ी हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो मार्च, 1998 की स्थिति के अनुसार राष्ट्रीय वस्त्र निगम द्वारा संचालित मिलों की कुल संख्या, घाटे में चल रही मिलों की संख्या और बंद पड़ी मिलों की संख्या कितनी-कितनी है; और

(ग) क्या सरकार ने घाटे में चल रही अथवा बंद पड़ी हुई कपड़ा मिलों को पुनः चलाने तथा उन्हें लाभकारी बनाने के लिए कोई योजना तैयार की है; यदि हां, तो इन योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा): (क) और (ख) यह सच है कि राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अधीन बहुत सी मिलों में पिछले कुछ वर्षों से घाटे हो रहे है। उपलब्ध अनंतिम आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अधीन 119 मिलों में 115 मिलों में 1997-98 के दौरान घाटे हुए। राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अधीन कोई भी मिल बंद पड़ी हुई नहीं है क्योंकि वेतन और मजदूरियों का भुगतान किया जा रहा है। तथापि, अजूधिया टैक्सटाइल मिल्स, दिल्ली को प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को स्थानांतरित करने/नये स्थान पर स्थापित करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुसरण में 1997 में बंद कर दिया गया था।

(ग) राष्ट्रीय वस्त्र निगम द्वारा किये गये एकक-वार अर्थक्षमता अध्ययन के आधार पर सरकार एन०टी०सी० की अर्थक्षम मिलों के लिए एक संशोधित सर्वांगीण सुधार नीति पर विचार कर रही है। जिसके लिए बी०आई०एफ०आर० द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर इन मिलों की निबल पूंजी के सकारात्मक बन जाने के बी०आई०एफ०आर० के मानदण्ड को ध्यान में रखा जा रहा है। पुनरुद्धार योजना में कामगारों के हितों को ध्यान में रखा जाएगा।

हस्तशिल्प दस्तकारों की दयनीय स्थिति

2411. **चौधरी हरमोहन सिंह यादव:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को देश में हस्तशिल्प दस्तकारों की दयनीय स्थिति की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा उनकी दशा सुधारने के लिए कोई कार्य योजना बनाई गई है या बनाये जाने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार देश में भारतीय संस्कृति से सम्बन्धित हस्तशिल्प कला को बढ़ावा देने हेतु हस्तशिल्प दस्तकारों को कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराती है; और

(ङ) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान इससे कितने लोग लाभान्वित हुए?